

## राजस्थान के सबसे लंबे हाईलेवल ब्रिज का नरिमाण कार्य शुरू

### चर्चा में क्यों?

5 दसिंबर, 2023 को पीडब्ल्यूडी के अधशासी अभयिता मुकेश मीणा ने बताया क सवाई माधोपुर-इटावा मार्ग पर झरेर के बालाजी केतुदा गाँव के पास चंबल नदी पर राजस्थान के सबसे लंबे हाईलेवल ब्रिज का नरिमाण कार्य शुरू हो चुका है।

### प्रमुख बदि

- पीडब्ल्यूडी के अधशासी अभयिता मुकेश मीणा ने बताया कयिह हाईलेवल ब्रिज 165 करोड रुपए की लागत से करीब 2 साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसकी लंबाई 1880 मीटर होगी।
- इसका नरिमाण होने से राजस्थान सहति मध्य प्रदेश के लोगों को भी आवागमन में सुवधि मलैगी। इसके अलावा खातोली, इटावा, बारां ज़िले से सवाई माधोपुर का सीधा जुड़ाव हो जाएगा।
- वर्तमान में चंबल नदी पर बना गैता माखीदा का ब्रिज प्रदेश में सबसे लंबा ब्रिज है। इसकी लंबाई करीब 1562 मीटर है। यह भी पूरव में इटावा क्षेत्र में बना था। यह ब्रिज कोटा ज़िले के साथ ही भरतपुर संभाग के सवाई माधोपुर को भी जोड़ेगा।
- राज्य सरकार ने पछिले साल बजट घोषणा में झरेर के बालाजी ब्रिज की डीपीआर नरिमाण के लयि 30 लाख रुपए जारी कयि थे। उसके बाद सार्वजनिक नरिमाण वभिाग ने इसकी 165 करोड रुपए की डीपीआर तैयार कर जयपुर भजिवाई थी। इस पर मुख्यमंत्री गहलोट ने बजट घोषणा में इस पुल के नरिमाण की घोषणा की थी।
- मुकेश मीणा ने बताया कयिह प्रेस्ट्रसड कंक्रीट गर्डन ब्रिज होगा। इसमें चार गर्डर होंगे। वही 12 मीटर चौड़े पुल में साढ़े सात मीटर का केरीज-वे होगा। पुल से सवाई माधोपुर की तरफ 280 मीटर एप्रोच सड़क भी बनेगी। इस प्रकार कोटा की तरफ 486 मीटर की एप्रोच सड़क बनेगी। इसमें दो छोटे छोटे माइनर पुल भी बनाए जाएंगे।
- ब्रिज के नरिमाण में 48 पलिलर खड़े कयि जाएंगे। इसमें दोनों तरफ दो अबेटमेंट भी होंगे, जो सवाई माधोपुर और कोटा की तरफ पुल की शुरुआत में बनेंगे। इन 48 पलिलरों पर हर पलिलर के बीच 40 मीटर लंबे स्थान रखे जाएंगे। इसमें चट्टान के ऊपर पाँच पलिलर बनेंगे और साथ बेल फाउंडेशन वाले होंगे। इसके अलावा 36 पायल फाउंडेशन बनाए जाएंगे, जो मटिटी और चट्टानों पर बनते हैं। इनमें दो अबेटमेंट शामिल हैं।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/construction-work-of-rajasthan-s-longest-high-level-bridge-begins-1>

